20-4-2021

पा० - 3 (वसंत)

नादान दोस्त (कक्षा - 6)

कहानी से –

प्र० 1 अंडो के बारे में केशव और श्यामा के मन में किस तरह के सवाल उठते थे? वे आपस में ही सवाल - जवाब करके अपने दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थे?

उ० अंडो के बारे में केशव और श्यामा के मन में तरह - तरह के सवाल उठते थे। उनको पता नहीं था कि अंड़ो का आकार कितना बड़ा होता है वे किस रंग के होते हैं। वे कितना और क्या खाते होंगे। वे आपस में ही सवाल - जवाब करके अपने दिल को तसल्ली दे दिया करते थे क्योंकि अम्मा घर के कामों में व्यस्त रहती थी। पिता जी लिखने पढ़ने में व्यस्त थे।

प्र० 2 केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना - पानी मँगाकर कार्निस पर क्यों रखे थे?

उ० केशव ने देखा कि तीन अंडे तिनको पर पड़े हैं। उन पर धूप पड़ी है, वहाँ कोई घोंसला नहीं था। केशव ने चिथड़े की गद्दी बनाई और अंडो के नीचे बिछा दी। अंडो को धूप से बचाने के लिए टोकरी से उन पर छाया कर दी। एक प्याली में खाने के लिए दाना और पीने के लिए पानी रख दिया।

प्र० 3 केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडो की

रक्षा की या नादानी ?

ऊ केशव और श्यामा ने अंडो की रक्षा करना चाहते थे। परन्तु अज्ञानता के कारण उनसे नादानी हुई।